6. लिंग

जिस प्रकार संसार की प्रत्येक वस्तु का एक नाम होता है, उसी प्रकार संसार की प्रत्येक वस्तु या प्राणी का एक लिंग भी निर्धारित होता है। कुछ वस्तु या प्राणी पुरुष जाति से संबंधित होते हैं तो कुछ स्त्री जाति का बोध कराते हैं। जिन शब्दों द्वारा किसी शब्द की पुरुष या स्त्री जाति का बोध होता है, वह लिंग शब्द कहलाता है।

शिक्षण-संकेत

- अध्यापक/अध्यापिका पाठ पृष्ठ 28 पर दिए चित्र को दिखाकर बच्चों से पूछें, इस चित्र में क्या हो रहा है? बच्चे क्या कर रहे हैं? आदि। इसके बाद वाक्यों को बच्चों से पढ़वाएँ।
- वाक्य में क्या अंतर है, बच्चों से जानें। बताएँ, नाना, मामा, पापा, दादा जी शब्दों से उनके पुरुष जाति के होने का तथा नानी, मामी, मम्मी, दादी जी शब्दों से उनके स्त्री जाति के होने का बोध हो रहा है।
- बच्चों को शिष्टाचार की सीख देते हुए समझाएँ कि जब भी उनके घर में कोई आए तो उन्हें हाथ जोड़कर नमस्ते करना चाहिए।
- उन्हें बड़ों का आदर करना सिखाएँ।
- कुछ शब्द आप बोलें और बच्चों से उन शब्दों का लिंग पूछें।
- बताएँ, पुल्लिग शब्दों से पुरुष जाति तथा स्त्रीलिंग शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है।
- पाठ पृष्ठ 29 पर दिए पुल्लिग-स्त्रीलिंग शब्दों को बच्चों से पढ़वाएँ। कक्षा के बच्चों में से एक लड़का और एक लड़की को शब्द पढ़ने के लिए खड़ा करें। लड़की स्त्रीलिंग तथा लड़का पुल्लिग शब्द पढ़े।
- सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा पाठ समझ पा रहा है अथवा नहीं।
- 'आपने सीखा' के अंतर्गत दिए पाठ के मुख्य बिंदुओं को पढ़वाकर पाठ विषय की दोहराई करवाएँ।
- पाठ अभ्यास करवाने में यथासंभव बच्चों की मदद करें।